Worksheet - 6 Subject: - Hindi कक्षा - VIII Teacher: - Mrs. Meera

Name: _____ Class & Sec: _____ Roll No. _____ Date: 07.08.2020

व्याकरण संबोध

1. **निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए—**

क.	वाशिंग शहर में एक छोटी-सी बस्ती थी, जिसमें बहुत सारे कलाकार रहते थे।	'''छोटी-सी, बहुत-सारे'''
ख.	पूरी बस्ती में लोग निमोनिया से धीरे-धीरे पीड़ित होने लगे।	'''पूरी, पीड़ित'''
ग.	जानसी बहुत मिलनसार लड़की थी।	'''मिलनसार'''
घ.	उस बस्ती में कम ही लोग ऐसे थे जिन्हें निमोनिया नहीं हुआ था।	'''उस, कम'''
ङ.	डाक्टर ने कहा, बाज़ार से कुछ दवाइयाँ लेते आना।	'''कुछ'''
च.	सू के कानों में धीमी-धीमी आवाज़ पड़ी।	'''धीमी-धीमी'''

2. **निम्नलिखित शब्दों में 'दार' प्रत्यय लगाकर विशेषण बनाइए—**

दुनिया	—	'''दुनियादार'''	धार	—	'''धारदार'''	ज़िम्मा	—	'''ज़िम्मेदार'''
ईमान	—	'''ईमानदार'''	पहरा	—	'''पहरेदार'''	ठेका	—	'''ठेकेदार'''
हवा	—	'''हवादार'''	जान	—	'''जानदार'''	मज़ा	—	'''मज़ेदार'''

3. **निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलकर पुनः लिखिए—**

क. बीमार होकर व्यक्ति इतना मायूस हो जाता है कि वह मौत के अलावा कुछ सोचता ही नहीं।

उ. बीमार होकर व्यक्ति इतने मायूस हो जाते हैं कि वे मौत के अलावा कुछ सोचते ही नहीं।

ख. वह लगातार खिड़की से बाहर देख रही थी और उलटी गिनती गिन रही थी।

उ. वे लगातार खिड़की से बाहर देख रही थीं और उलटी गिनती गिन रही थीं।

ग. तेज़ आँधी-तूफ़ान में भी लता से पत्ता चिपका रहा।

उ. तेज़ आँधी-तूफ़ान में भी लताओं से पत्ते चिपके रहे।

घ. मैंने सोचा था कि रात में यह पत्ता ज़रूर गिर गया होगा।

उ. हमने सोचा था कि रात में ये पत्ते ज़रूर गिर गए होंगे।

ङ. शाम होने पर भी पत्ता बेल पर ज्यों का त्यों लगा हुआ था।

उ. शाम होने पर भी पत्ते बेल पर ज्यों का त्यों लगे हुए थे।

च. मैं जान गई हूँ कि मरने की बात करना बुरी बात है।

उ. हम जान गए हैं कि मरने की बातें करना बुरी बात है।